

ऑनलाइन शिक्षा का संकट

प्रलम्बिस् के लयि:

महत्त्वपूरण नही

मेन्स के लयि:

ऑनलाइन शिक्षा से संबंघति मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय (Azim Premji University) द्वारा ई-लर्निंग की प्रभावकारिता और पहुँच पर कयि गए अध्ययन ने देश में ऑनलाइन शिक्षा में शामिल वभिन्न चुनौतयों पर प्रकाश डाला है।

प्रमुख बदि:

छात्र वशिष्ट नषिकर्ष:

- छात्रों की ऑनलाइन कक्षाओं तक पहुँच की कमी के कारण:
- उपयोग या साझा करने के लयि स्मार्टफोन की गैर-उपलब्धता या अपर्याप्त संख्या।
- ऑनलाइन सीखने के लयि एप्लिकेशन का उपयोग करने में कठनिई।
- दवियांग बच्चों को ऑनलाइन सत्र में भाग लेना अधिक कठनि लगा।

माता-पति वशिष्ट नषिकर्ष:

- सर्वे के अनुसार, सरकारी स्कूल के छात्रों के 90% अभिभावक इस स्थिति में अपने बच्चों को वापस स्कूल भेजने के लयि तैयार थे यदा उनके बच्चों की सेहत का खयाल रखा जाएगा।
- सर्वेक्षण में शामिल 70% माता-पतियों का मानना था कि ऑनलाइन कक्षाएँ प्रभावी नहीं रहीं और उनके बच्चों के सीखने में भी सहायक नहीं रहीं।

शिक्षक वशिष्ट नषिकर्ष:

- ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान शिक्षकों की मुख्य समस्या एकतरफा संचार का होना थी, जसिमें उनके लयि यह आकलन करना मुश्कलि हो गया था कि छात्र समझ भी पा रहे हैं या नहीं कि उनहें क्या पढ़ाया जा रहा है।
- सर्वेक्षण में शामिल 80% से अधिक शिक्षकों ने कहा कि वे ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान छात्रों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने में असमर्थ थे, जबकि 90% शिक्षकों ने महसूस कयि कि बच्चों के सीखने का कोई सार्थक आकलन संभव नहीं था।
- सर्वे में 50% शिक्षकों ने बताया कि बच्चे ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान साझा कयि गए असाइनमेंट को पूरा करने में असमर्थ थे, जसिके कारण सीखने में गंभीर कमी आई है।
- सर्वेक्षण में यह भी पता चला कि लगभग 75% शिक्षकों ने औसतन, कसि भी ग्रेड के लयि ऑनलाइन कक्षाओं में एक घंटे से भी कम का समय दिया है।
- कुछ शिक्षकों ने यह भी बताया कि वे ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पढ़ाने में समर्थ नहीं थे।
- सर्वेक्षण में आधे से अधिक शिक्षकों ने साझा कयि कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और शिक्षण के तरीकों पर उनका ज्ञान और उपयोगकर्ता-अनुभव अपर्याप्त था।

स्रोत: द हद्वि

